हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 18 अगस्त 2025

11 बाजारों में खड़ी कारों को टोचन कर पुलिस लाइन पहुंचाया

12 चुली बागड़ियां में श्रद्धा से मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व

खबर संक्षेप

जमीन खरीद में धोखाधड़ी करने पर आरोपी काबू

फतेहाबाद। आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद द्वारा धोखाधड़ी के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद ने एक और आरोपी ठाकर सिंह पुत्र करनैल सिंह निवासी ढेर, टोहाना को काबू किया है। आर्थिक अपराध शाखा प्रभारी, निरीक्षक संदीप सिंह ने बताया कि थाना जाखल में 2023 में दर्ज मामले में परिवादियों ने आरोप लगाया था कि कुछ प्रॉपर्टी डीलरों और अन्य व्यक्तियों ने मिलकर जमीन बेचने के नाम पर कई करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की।

हेरोइन तस्करी में तीसरे आरोपी को किया काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सदर टोहाना पुलिस ने तीसरे आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान रफीक खान पुत्र भूरा खान निवासी आईटीआई चौक, बुढलाडा, जिला मानसा, पंजाब के रूप में हुई है। इससे पहले इस मामले में दो आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

लायंस क्लब ने मां की रसोई में चलाया लंगर

रतिया। लायन क्लब सिटी ने पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा के जन्म दिवस व पोती के जन्म के उपलक्ष्य में मां की रसोई में लंगर सेवा की। वहां सेवा करने वाले सेवकों व मुख्य सेवादार राजू मेहता ने बताया कि मां की रसोई में हर रोज लगभग 500 से 600 लोग खाना खाते है। मुख्य मकसद ही लोगों की सेवा करना है। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष हरवीर जोड़ा, सचिव राजू अरोड़ा, ट्रेजर खेमचंद मोंगा आदि मौजूद रहे।

रेलगाड़ी में बुजुर्ग दंपति से छीना झपटी

सिरसा। जींद हिसार रेलगाडी में युवक व बुजुर्ग दंपत्ति के साथ छीना झपटी की वारदात हुई है। इस संबंध में जीआरपी थाना ने अभियोग दर्ज किया है। शिकायतकर्ता पवन कुमार निवासी हरि विष्णु कॉलोनी ने बताया कि वह व उसके नाना-नानी हरिद्वार से बठिंडा तक आए थे और बठिंडा से सिरसा आने के लिए रेल गाडी में बैठे थे। रेलगाड़ी जैसे ही सुखचैन के पास रूकी तो तीन युवक ट्रेन में सवार हुए और उसके नाना के हाथ से मोबाइल छीन लिया व जेब से करीब 5 हजार रुपये लिए।

चोरी की वारदात में शामिल दो आरोपी काबू

सिरसा। सदर थाना सिरसा पुलिस ने गांव माधोसिंघाना में हुई चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सदर थाना सिरसा प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि दुकान मालिक सुभाष चंद्र पुत्र मनफूल निवासी माधोसिंघाना ने पुलिस चौकी मल्लेकां में शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

शहीदी दिवस पर पुष्पांजलि समारोह का आयोजन

शहीद मदनलाल धींगड़ा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के थे अप्रतिम क्रांतिकारी : चोपड़ा

मदनलाल धींगड़ा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन किए अर्पित

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

महान शहीद मदनलाल धींगड़ा के शहीदी दिवस पर रविवार को सिरसा के शहीद मदन लाल ढींगड़ा चौक पर नागरिक परिषद की ओर से पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान नागरिक परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों के अलावा शहर के गणमान्य लोगों ने मदनलाल धींगड़ा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। नागरिक परिषद के अध्यक्ष जगदीश चोपड़ा ने कहा कि मदनलाल ढींगड़ा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अप्रतिम क्रांतिकारी थे। भारतीय स्वतंत्रता की चिंगारी को अग्नि में बदलने का श्रेय महान शहीद मदन लाल धींगड़ा को ही जाता है। भले ही मदन लाल धींगड़ा के परिवार में राष्ट्रभक्ति की कोई ऐसी परंपरा नहीं थी किंतु वह खुद से ही देश भक्ति के रंग में रंगे गए थे। वे इंग्लैंड में अध्ययन कर रहे थे जहां उन्होंने विलियम हट कर्जन वायली नामक एक ब्रिटिश अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। कर्जन वायली की हत्या के आरोप में उन पर 23 जुलाई, 1909 का अभियोग चलाया गया। उन्होंने कहा कि हमें केवल अधिकारों की बात न करके कर्तव्यों का पालन करना चाहिए तभी देश नंबर वन बन सकेगा। नागरिक परिषद के सचिव सुरेंद्र भाटिया ने कहा कि हमारी मांग है कि महापुरुषों व शहीदों की तरह शहीद मदन लाल धींगड़ा के शहीदी दिवस पर भी हरियाणा सरकार राज्य स्तर का कार्यक्रम आयोजित करे और हिसार में शहीद मदन लाल धींगड़ा की स्मारक बनाई जाए ताकि युवा पीढ़ी में देशभक्ति का जज्बा जागे। उन्होंने कहा कि पंजाब में सरकार मदन धींगड़ा का शहीदी दिवस मनाती है उसी तरह हरियाणा सरकार भी कार्यक्रम आयोजित करे ताकि हम सब शहीदों से प्रेरणा ले सकें। इस मौके पर गुरजीत मान, प्रो. रवींद्र पुरी, एडवोकेट एसी सिहाग, हरबंस नारंग, गुरदेव राही, रोहताश जांगडा, रत्न लाल बामनिया, डॉ. गंगा सागर केहरवाला आदि मौजूद रहे।

सिरसा। शहीद मदन लाल धींगड़ा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते नागरिक परिषद के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

कुर्बानी से ले प्रेरणा

भाजपा के जिला प्रधान एडवोकेट यतिंद्र सिंह ने कहा कि अमर शहीद मदनलाल धींगड़ा ने देश के अपने प्राण न्योछावर कर दिए। हम सबको उनकी कुर्बानी से प्रेरणा लेते हुए देश हित में काम करने चाहिएं। हमें राष्ट्र विरोधी लोगों को मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए। समाज सेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश मेहता ने कहा कि मदन लाल धींगड़ा ने बहुत छोटी उम्र में शहादत देकर स्वतंत्रता संग्राम को तेज करने का काम किया। उन्होंने कहा कि मदन लाल धींगड़ा की कुर्बानी के दिन आज हम सबको देश के लिए कुछ करने का संकल्प लेना चाहिए यही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

फतेहाबाद। शहीद मदन लाल ढींगड़ा को नमन करते भाजपाई। *फोटो : हरिभूमि*

शहीद मदन लाल का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत : प्रवीण जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- फतेहाबाद में भाजपाईयों ने मनाया शहीद मदन लाल ढींगड़ा का शहादत दिवस

महान स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद मदनलाल ढींगड़ा का शहादत दिवस बीजेपी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा की अध्यक्षता में रविवार को मनाया गया। इस अवसर पर भाजपाईयों ने पुष्प अर्पित कर शहीद मदनलाल ढींगड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उन्हें नमन किया। शहीद मदनलाल ढींगडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए प्रवीण जोड़ा ने कहा कि पंजाब के अमृतसर में 18 फरवरी 1883 को को साधारण परिवार में जन्में शहीद मदन लाल ढींगड़ा ने अपना पूरा जीवन देश के नाम समर्पित कर दिया। बचपन से ही उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल थी। उच्च शिक्षा के लिए वे इंग्लैंड गए, जहां उनका संपर्क क्रांतिकारी संगठनों से हुआ। वहीं पर वे स्वतंत्रता सेनानियों जैसे विनायक दामोदर सावरकर के विचारों से अत्यधिक प्रभावित हुए। अंग्रेजों द्वारा भारतवासियों पर हो रहे अत्याचारों को देखकर उनका खून खौल उठता था। उन्होंने निश्चय किया कि अंग्रेजी शासन को भारत छोडने पर मजबूर करना ही उनका ध्येय होगा। 1 जुलाई 1909 को लंदन में उन्होंने अंग्रेज अफसर विलियम कर्जन वायली को गोली मार दी। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक ऐतिहासिक मोड़ बन गई। जोड़ा ने कहा कि फांसी के समय भी शहीद मदन लाल ढींगड़ा ने 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। उनका बलिदान उस दौर में युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना। उनका बलिदान भारतीय क्रांति का शंखनाद था। आज उनका नाम देश के अमर शहीदों की श्रेणी में गिना जाता है। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

नौकरी लगने पर गोशाला को दान में दी 41 हजार की राशि

- मध्य प्रदेश में ग्रामीण बैंक में लगी सरकारी नौकरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ओढ़ा

श्रीराम भक्त हनुमान गौशाला नुहियांवाली में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर एक समाजसेवी ने अपने पुत्र की नौकरी लगने की खुशी में 41 हज़ार रुपये की दानराशि स्वरूप गोशाला कमेटी को दी है। जानकारी देते हुए गौशाला प्रबंधक कमेटी के ओमप्रकाश गोदारा ने बताया कि गांव के मास्टर आनंद जोशी ने अपने बेटे अंकित कुमार की मध्य प्रदेश में ग्रामीण बैंक में सरकारी नौकरी लगने की खुशी में 41000 रुपये की दान राशि दी है। गौशाला कमेटी प्रधान प्रहलाद नेहरा व सभी सदस्यों ने आभार प्रकट किया। गौशाला कमेटी ने मास्टर आनंद जोशी व पूरे परिवार को स्मृति चिह्न देखकर सन्मानित किया। इस अवसर पर गौशाला कमेटी के पूर्व प्रधान महेंद्र निमीवाल, उपप्रधान कृष्ण कुकणा, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश गोदारा, सचिव सुभाष बिजारणियां, गमास्टर मदन लाल जोशी, ख्याली राम ठेकेदार, मास्टर प्रेम कुमार गेदर आदि मौजूद रहे।

सिरसा। गौशाला कमेटी नुहियांवालीं के सदस्य दानी आनंद जोशी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

एक महीने में ही टूटी सड़क, ग्रामीणों में रोष

- ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री सैनी को की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

मार्केटिंग बोर्ड द्वारा महमदपुर सोत्र से पालसर गांव तक बनाई गई नई सड़क महज एक महीने में ही टूट-फूट का शिकार हो गई है। जगह-जगह उभर आए गहरे गड्ढों ने इस सड़क को जानलेवा बना दिया है। वाहन चालकों के लिए यह रास्ता अब खतरनाक साबित हो रहा है, वहीं रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों को जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। हसंगा गांव के राजेंद्र सिंह ताखर, अग्रसेन, सुरेश कुमार, ओमप्रकाश सहित कई ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में भारी अनियमितताओं की शिकायत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से की है। उन्होंने सीएम विंडो और ट्विटर के माध्यम से अपनी बात रखी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया, जिससे यह सड़क एक महीने भी नहीं टिक सकी। क्योंकि सड़क पर तारकोल की जगह काले रंग नुमा केमिकल डाला गया था। वही पत्थर भी नामात्र डालकर सड़क में बहुत बड़ा गड़बड़झाला कर दिया । ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में इस सड़क की स्थिति और भी भयावह हो गई है। जलभराव के चलते गड्ढे और गहरे हो रहे हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। कई बार हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन और संबंधित विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सीएम ट्विटर पर शिकायतकर्ता राजेंद्र ताखर करने बताया कि सड़क की हालत वास्तव में बेहद खराब है। मात्र एक महीने पहले बनी सड़क जगह-जगह से उखड़ चुकी है और गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। इससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण कार्य में अनियमितता बरती गई है।

भूना। सड़क पर बिखरी हुई बजरी व बने हुए गड्ढे

क्या कहते हैं एसडीओ

मार्केटिंग बोर्ड के एसडीओ अक्षय कुमार वर्मा ने बताया कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाएगा। शिकायतकर्ता द्वारा दबाव बनाने के आरोप जो लगाए जा रहे हैं वह बिल्कुल निराधार हैं। सड़क शिकायत से संबंधित उनके संज्ञान में अभी मामला नहीं आया है। इसलिए किसने दबाव बनाया है इसकी भी हम जांच करेंगे।

जाखल में होगी भाजपा की जिला कार्यकारिणी की बैठक

- सभी सदस्य व पदाधिकारियों के साथ-साथ 12 मंडलों के अध्यक्ष भी शामिल रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस बार जिला कार्यकारिणी की पहली बड़ी मीटिंग को फतेहाबाद स्थित जिला कार्यालय में बुलाने की बजाय जाखल में रखी गई है। यह बैठक 18 अगस्त सोमवार को यह मीटिंग जाखल के रॉयल पैलेस में होगी। इस बैठक में जिला कार्यकारिणी के सभी सदस्य व पदाधिकारियों के साथ-साथ 12 मंडलों के अध्यक्ष भी शामिल रहेंगे। इस मीटिंग की अध्यक्षता जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य और जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा करेंगे। जब से जिले में बीजेपी का कार्यालय बना है, तब से अब तक जिला मुख्यालय के कार्यालय में ही जिला कार्यकारिणी की मीटिंग होती रही है। यह पहला मौका होगा, जब जिला पदाधिकारी मीटिंग के लिए पंजाब बॉर्डर के पास स्थित जाखल में जाएंगे। जाखल में जिला कार्यकारिणी की मीटिंग बुलाने को लेकर कई तरह के क्यास लगाए जा रहे हैं।

पांच दिन पहले ही 51 कार्यकर्ताओं को बनाया सदस्य

गौरतलब है कि बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा की ओर से हाल ही में जिला कार्यकारिणी घोषित की गई है। जिसमें 6 उपाध्यक्ष, 6 सचिव और दो महामंत्री सहित 21 पदाधिकारी बनाए गए थे। पांच दिन पहले ही 51 कार्यकर्ताओं को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। इनमें 15 महिला कार्यकर्ता भी शामिल हैं। जिला कार्यकारिणी में फतेहाबाद, रतिया, टोहाना, भट्टू, जाखल सहित सभी खंडों को महत्व देने का प्रयास किया गया। पुराने कार्यकर्ताओं को भी तवज्जो दी गई है। इसके अतिरिक्त जिले के बड़े नेताओं को जिला कार्यकारिणी में स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। इनमें राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली, पूर्व विधायक दुड़ाराम, एससी आयोग के चेयरमैन रविंद्र बलियाला, चेयरमैन वेद फूलां, भारत भूषण मिड्ढा, पूर्व जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा और राजपाल बैनीवाल शामिल किए गए हैं।

आरोपी की तलाश में बिहार गई पुलिस

बिहारी खेत मजदूर की हत्या का मामला,

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गांव ढाणी गिल्लाखेड़ा में एक बुजुर्ग की कस्सी से गर्दन काटकर हत्या करने के मामले में फतेहाबाद पुलिस की तीन टीमें आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है। इस मामले में संदिग्ध आरोपी प्रमोद को पकड़ने के लिए फतेहाबाद पुलिस की एक टीम को बिहार भी भेजा गया है। एसपी ने इस मामले में सीआईए, सदर थाना फतेहाबाद और दरियापुर पुलिस चौकी की तीन टीमें बनाई है। जिला पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि गांव ढाणी गिल्लाखेडा निवासी अरविंद कुमार की जमीन को सिरसा जिले के गांव पतली डाबर निवासी जगीर सिंह ने ठेके पर लिया हुआ है। जगीर सिंह ने इस जमीन की देखभाल के लिए बिहार के राजेंद्र सिंह जुलाहा को नौकरी पर रखा हुआ था। राजेंद्र दास की शुक्रवार की रात को कस्सी से गर्दन काट कर हत्या कर दी गई थी।

गिरफ्तारी के बाद ही मामले का पटाक्षेप होगा: कुलदीप

इस मामले में थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी कुलदीप कुमार का कहना है कि पुलिस की तीन टीमें आरोपी प्रमोद को पकडने के लिए लगी हुई हैं। जिला पुलिस की एक टीम को आरोपी की तलाश में बिहार भी भेजा गया है। जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही सारे मामले का पटाक्षेप हो पाएगा।

अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश

- पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭डबवाली

पुलिस ने अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो चोरीशुदा मोटरसाइकिल भी बरामद किए हैं। पकड़े गए सभी आरोपी पंजाब के निवासी है। सीआईए कालांवाली प्रभारी सुरेश कुमार ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम कालांवाली में नाका लगाकर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर तीन युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें काबू कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मोटरसाइकिल चोरी का है। आरोपियों की पहचान बलजीत सिंह, गगनदीप सिंह व हैप्पी निवासी रामा मंडी पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में गिरोह के सदस्यों ने बाइक चोरी की अन्य घटनाओं को भी अंजाम देने की बात कबूली है। पुलिस ने निशानदेही पर एक और मोटरसाइकिल भी बरामद किया है।

सिरसा। पकड़े गए बाइक चोर गिरोह के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

पब्लिक हैल्थ, सिंचाई विभाग और मैकेनिकल ब्रांच की हुई संयुक्त बैठक

एसई सिंचाई विभाग कार्यालय पर रोष प्रदर्शन आज

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

निजीकरण के विरोध में और अन्य मांगों को लेकर पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन के आह्वान पर कर्मचारियों द्वारा 18 अगस्त को अधीक्षण अभियंता सिंचाई विभाग के कार्यालय पर रोष प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा 20 अगस्त को भी कर्मचारी अधीक्षण अभियंता पब्लिक हैल्थ कार्यालय पर भी प्रदर्शन कर मांग पत्र सौंपेंगे। यह निर्णय फतेहाबाद में पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन सम्बंधित सर्व कर्मचारी संघ की ब्रांच पब्लिक हैल्थ, सिंचाई विभाग और मैकेनिकल ब्रांच की संयुक्त मीटिंग में लिया गया। भट्टू रोड स्थित पब्लिक हैल्थ यूनियन कार्यालय में हुई इस मीटिंग की अध्यक्षता जिला प्रधान सुरजीत पाबड़ा ने की और संचालन सुनील कुमार ने किया। मीटिंग में राज्य कमेटी से संगठन सचिव कृष्ण चमारखेड़ा विशेष रूप से मौजूद रहे।

फतेहाबाद। प्रदर्शन को लेकर आयोजित मीटिंग में भाग लेते कर्मचारी।

जनसंख्या के अनुपात में पदों को बढ़ाने की मांग

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कृष्ण चमारखेड़ा व सुरजीत पाबड़ा ने कहा कि सरकार रेशनेलाइजेशन के नाम पर विभागों को सिकोडने में लगी हुई है। सिंचाई विभाग से लगभग बेलदार, मेट, गेज रीडर आदि पदों को समाप्त किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी से मैकेनिकल विंग खत्म करने जा रही है। पब्लिक हैल्थ में एचआरएमसी के नाम पर पदों को सिकोडने का काम किया जा रहा है। कर्मचारियों की मांग है कि जनसंख्या के अनुपात में पदों को बढ़ाया जाए लेकिन सरकार इसके उलटा पदों को समाप्त कर रही है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम में कर्मचारियों को चुनाव के समय 38 वर्ष नौकरी का आश्वासन दिया था परंतु चुनाव जीतते ही इन कर्मचारियों को हटाने का काम शुरू कर दिया गया। ब्रांच प्रधान विनोद कुमार जांगड़ा पब्लिक हैल्थ, प्रदीप कुमार सिंचाई विभाग व रमेश कुमार मैकेनिकल ब्रांच ने कहा कि सरकार विभाग में पक्की भर्ती करे और विभागों को निजीकरण के हवाले न किया जाए अन्यथा कर्मचारी सडकों पर उतरने को मजबूर होंगे।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।

- मुंशी प्रेमचंद

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि शारदा की साहब से शादी हो जाती है। साहब कम बोलते हैं। शारदा इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि घर में शोर-शराबा न हो। शारदा के दो बच्चे हो चुके हैं। बच्चों के जन्म के बाद वह समझ पाती है कि जीवन में आवाज का क्या महत्व है। साहब की मां स्वर्ग सिधार गई हैं। अब साहब ने कॉलेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है और ज्यादातर वक्त वे पढ़ने-लिखने में ही बिताते हैं। ***अब आगे...***

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अम्मा जी चली गई हैं। साहब ने उन्हें चुपचाप विदा कर दिया है। अब तो अकेले ही दरख़्तों के साए में अपने हुक्के के साथ बैठते हैं। शाम को अक्सर अम्मा जी की जगह शारदा होती है। चुपचाप उन्हें पढ़ते-लिखते हुए या हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखती हुई शारदा ... बच्चे बड़े हो रहे हैं... पड़ोस में एक आध मकान और बन गया है। जिससे आवाजों की आमद बढ़ गई है। नए मकान का मुहूर्त है और पड़ोस में थोड़ी रेलम-पेल है। नए पड़ोसी थोड़े ज्यादा ही बोलने-चालने वाले किस्म के लोग हैं। बोल बोल कर, नाच-गाकर जिंदगी का आनंद मनाने वाले लोग.. साहब को न्योता देने आए हैं। चाहते हैं कि पड़ोस में जान-पहचान बढ़े।

साहब चुपचाप हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं। शारदा थोड़ी विचलित है कि अब उन्हें कैसे बताए... कि ये इस तरह के समारोह में शामिल नहीं होते। अब कुक्कू के कान में दर्द हो तो शारदा साहब के सोने की अलग कमरे में व्यवस्था कर सकती है। निक्की को बुखार हो या दोनों भाई-बहन आपस में खेलते-खेलते झगड़ा करने लगें तो शारदा के पास समाधान है। अब इस नई समस्या का तो उसे कोई समाधान नजर नहीं आता। लेकिन ऐसा भी नहीं कि साहब को ये चीजें बिल्कुल ही नागवार गुजरें। बस! इतना है कि वे न्योता देने वालों की बातों को सिर्फ सुन रहे हैं। बहुत हुआ तो वे उनके कई वाक्यों के बाद अपनी संक्षिप्त सी 'जी' से काम चला देते हैं। फिर... एक व्यक्ति और आ गया है जो शायद पहले वाले को बुलाने आया है। साथ में कुछ बच्चे भी आ गए हैं। बड़े प्यारे-प्यारे बच्चे हैं। निक्की और कुक्कू की आज छुट्टी है और जाने कब बच्चों की छोटी सी दुनिया में दोस्ती का दीप जगमग आ उठा है। शारदा ने निक्की के हाथ एक पानी का जग और गिलास भेजे हैं शिष्टाचारवश। साहब ने उन्हें पानी पिलाया है.. साथ ही आगंतुकों ने साहब को यह भी बताया है कि.. 'जी आज तो लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। शाम को जवान बच्चे नाच-कूद लेंगे इस बहाने और कल सुबह दस बजे गृह प्रवेश है। आप मैडम के साथ, बच्चों के साथ, जरूर आइएगा।'

साहब ने कोई जवाब नहीं दिया है। बच्चों को खेलते हुए महज देख रहे हैं। फिर कुछ औरतें पारंपरिक परिधानों में सजकर गीत गाती हुई सुनाई दे रही हैं। बच्चे.. निक्की और कुक्कू के साथ खेलते-खेलते अंदर आ गए हैं। अब बच्चे तो बच्चे हैं, उन्हें कागजों पर लिखी बातों का क्या पता? वे विस्मय से भरे ..कमरों में भरी किताबों को देख रहे हैं। कभी-कभी किसी कागज को भी उठा लेते हैं। फिर उस कागज को यूं ही गिराकर कोई और पत्रिका उठा लेते हैं। उनके लिए तो सब कुछ महज खेलने की चीजें हैं। दुनिया एक खेल है... जिंदगी एक खेल है... यहां जी रहा प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग तरीकों से खेल रहा है। लेकिन शारदा असहज है। वह भारी द्वंद्व में है। बच्चों की आवाजों को बड़ी शिद्दत से सुन रही है। निक्की और कुक्कू का यूं बच्चों के साथ खेलना उसे सुकून दे रहा है। लेकिन बच्चे शोर कर रहे हैं। उनका शोर करना, आवाजें करना उसे अखर रहा है। शाम को जैसा कि शारदा को पहले ही अंदेशा था.. सात बजते-बजते डीजे शुरू हो गया .. खूब तेज आवाज में ...साहब भीतर अपने कमरे में हैं और खाना खा रहे हैं। शारदा खिड़कियां बंद कर रही है ताकि आवाज अंदर ना आ सके। लेकिन खिड़कियां - दरवाजे बंद करने से भी ज्यादा असर नहीं पड़ रहा और आवाजें बाकायदा अंदर आ रही है। हंसने की आवाजें, गाने की आवाजें, जोर-जोर से बोलने की आवाजें और सबसे तेज आवाजें... पटाखों की आवाजें... शारदा विचलित तो नहीं... लेकिन असहज है.. क्योंकि बारह साल में ऐसी स्थिति पहली बार आई है जब उसे अपने घर में इतना शोर सुनाई दिया है। साहब चुपचाप लेटे हैं । उन्होंने असहज और परेशान शारदा की ओर महज देखा भर है और अपने देखने भर से यह जता दिया है कि रहने दो, कोई बात नहीं... कई बार कुछ आवाजों का कोई समाधान नहीं होता। दोनों बच्चे बिल्कुल बेफिक्री से सो रहे हैं। साहब जाग रहे हैं । आवाजों का सिलसिला जारी है। शारदा अभी जाग रही है। हालांकि उसने कोशिश की है साहब के तलवों और सिर में तेल की मालिश करके उन्हें सुलाने की। लेकिन पटाखों की आवाज के साथ ही वे चौंक पड़ते हैं। कभी-कभी उठ कर बैठ भी जाते हैं। लिखने-पढ़ने वाले विचारशील व्यक्ति हैं। सोच रहे हैं कि जीवन में आवाजों का आदी होना भी कितना जरूरी है। आवाजों के समंदर में डूब कर बेखुदी में जीना कितना आसान हो जाता है । शारदा की आंखें शायद लग रही हैं। वह तंद्रा में ही विचार कर रही है कि कुछ आवाजें कितनी अच्छी होती हैं कि वे आती हैं और बच्चों के लिए खेलने का सामान कर जाती हैं। बच्चे स्कूल में तो भले ही खेलते होंगे घर में तो वे आज ही खेले हैं, पड़ोस के बच्चों के साथ। सोचते-सोचते वह सो गई। रात का एक बज गया है, अब शायद आवाजें थक गई हैं। उनमें एक बोझिल आकार पैदा हो गया है। अब थोड़ी-थोड़ी देर में आ तो रही हैं लेकिन अलसाई हुई सी, उनमें थकान है। शायद नशा भी है और कभी-कभी एक नींद की खुमारी भी सुनाई पड़ रही है। पटाखे भी अब थक गए हैं और डीजे भी कम से कमतर हो गया है । रात्रि का मौन पसर रहा है। आज इतवार है तथा बच्चों की छुट्टी है। पड़ोस में फिर चहल-पहल सुनाई पड़ रही है। गृह प्रवेश के लिए हवन का कार्यक्रम शुरू हुआ है। हवन के मंत्रोच्चार भी बाकायदा माइक में बोले जा रहे हैं। आहूतियों के सिलसिले में स्वाहा का समवेत स्वर माहौल को ऊर्जा नृत्य कर रहा है। शारदा का यह साफ-सफाई का वक्त है। सफाई करते हुए वह सोच रही है कि एक बार शिष्टाचार के नाते, औपचारिकतावश ही सही, वह पड़ोस में जा आएगी.. क्योंकि सुबह भी दो महिलाएं बुलावा देने के लिए आई थी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी-धजी, हवन का प्रसाद लेकर गई थी। उनके साथ बच्चे खेलते हुए यहीं रुक गए थे। साहब नहा-धोकर, बाहर शहतूत तले, उनकी प्रिय जगह पर अपने हुक्के के साथ बैठे हैं। आंखों में रात भर न सोने के कारण थकान है। शारदा नहा धो चुकी है। उसने कॉटन सिल्क की साड़ी पहनी है। बस साहब के लिए नाश्ता बनाना है, फिर बच्चों के साथ वह थोड़ी देर के लिए पड़ोस में चली जाएगी। हवन हो चुका है व मंत्रोचार के समवेत स्वर सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। शारदा रसोई में है और बच्चे दूसरे कमरे में खेल रहे हैं। वह बीच-बीच में दो-तीन बार उन्हें खेलते हुए फुसफुसाकर ताकीद कर आई है कि आवाजें नहीं, चुपचाप खेलते रहो। लेकिन अब की बार वह बच्चों वाले कमरे में आई तो पड़ोस का एक बच्चा कागज से हवाई जहाज बना रहा था। उसने शायद किसी पत्रिका से पृष्ठ फाड़ लिया है। शारदा के लिए यह अप्रत्याशित था। उसने निक्की को पास बुलाकर धीरे से फुसफुसाया.. पापा के लिए नाश्ता बना रही हूं, फिर पड़ोस के फंक्शन में चलेंगे, तब तक तुम सब बच्चों को बराबर वाले लान में, गुलमोहर के नीचे, खेलाओ और बाहर से दरवाजा बंद कर जाओ, नहीं तो ये बार-बार आकर पापा के कागज उठाएंगे। निक्की समझ गई.. वह इन सब में बड़ी बच्ची है.. उसने ऐसा ही किया, बाहर बरामदे का दरवाजा बंद कर दिया ताकि मम्मी आराम से नाश्ता बना सके। साहब को मिट्टी की हंडिया में बना हुआ दलिया नाश्ते में पसंद है। उनका मानना है कि खाने की चीजें भी जितनी धीरे पकती हैं उनमें स्वाद बरकरार रहता है। तेजी से पकी हुई चीजें बे-स्वाद होती हैं। शारदा भी समझ चुकी है कि जिंदगी धीरे धीरे, आराम से और सुकून से जी जाती है। वह दलिया धोकर मिट्टी की हांडी में डालते हुए भी साहब के बारे में ही सोच रही है कि वे रात भर आवाजों से दो-चार रहे और सो न सके। लेकिन बाहर अब सब कुछ शांत है बिल्कुल शांत ... कोई आवाज नहीं आ रही.. सोच कर.. उसे अच्छा लगा। कुछ देर से बच्चों की ओर से भी आवाज नहीं आ रही है। वह सोच रही है शायद बच्चे भी खेलते हुए पड़ोस के समारोह की ओर निकल गए होंगे। साहब नाश्ता करके शायद थोड़ा आराम करें और उनकी आंख लग जाए तो अच्छा हो। वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा ... हालांकि रसोई से बाहर... बरामदे की ओर...वह भागी ..लेकिन भागी तो ... सिल्क और भी भभकी ... अबकी बार । शहतूत के दरख्त के नीचे साहब किसी साहित्यिक पत्रिका में उलझे हैं। हालांकि बीच में उनकी चेतना कुछ समय के लिए घर के मुख्य दरवाजे की ओर गई और उन्होंने बाकायदा देखा भी कि बाहर से बंद है और हल्के-हल्के थपथपाया जा रहा है। कुंडी बाहर से साफ दिख रही है। दोनों किवाड़ धीरे-धीरे आगे-पीछे होते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन फिर उन्होंने यह सोचकर ध्यान हटा लिया कि बच्चे हैं और पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहे हैं। पत्रिका में आलेख छपा है .. आवाजों के जंगल में जिंदगी की तलाश... उन्होंने शीर्षक देखा ... उन्हें शीर्षक अच्छा लगा है। शीर्षक से ही उन्हें साफ महसूस हुआ कि आलेख किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा पढ़ने के लिए। लेकिन कुछ जलने की गंध और उनके नासा पुट सक्रिय ....उन्होंने फिर घूम देखा... तो बरामदे के अंदर वाले रोशनदान से धुआं निकल रहा है... मटमैला सा धुआं ... उनकी समझ में कुछ नहीं आया।

> *वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा*

वे उठे... कि उन्हें लगा कि जैसे कुछ अप्रिय घटित होने की आशंका के साथ और वे लगभग दौड़ ही पड़े....कुंडी खोली तो अंदर का हृदय विदारक दृश्य ... उन्होंने जिंदगी में पहली दफा किसी नाम को इतनी जोर से पुकारा... शारदा ....ssssss.. और शारदा ने बमुश्किल आंखें खोली और फौरन हाथ से इशारा करते हुए अपनी तर्जनी होठों पर रख ली ।... और इस तरह से साहब की जिंदगी से उस दिन उस आखिरी आवाज ने विदा ली। आजकल वे खोजते फिरा करते हैं आवाजों को... वे मानते हैं कि आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें हैं। आवाजें हमारे होने को तस्दीक करती हैं.. या कि कुछ आवाजें खूबसूरत हुआ करती हैं। उनका होना हमारी जिंदगी को सार्थक कर जाता है। आवाजें लहरों से समंदर की छाती पर अलविदा लिख दिया करती हैं। आकाश की पीठ पर बादलों की आवाजें बरसात नहीं... असल में जिंदगी ही तो लिखा करती हैं। **(समाप्त)**

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

तकदीर

निहार लेते और दो घड़ी
जो मालूम होता
अब होगी ना मुलाकात हमारी।

कहते दिल की अपनी
सुनते तुम्हारी
ना कहते
मिलेगे फिर
होते वक्त विदा
रोक लेते तुम्हें
जो होता मालूम
हमेशा को
हो रहे हैं जुदा
अलविदा कहने को भी
होगी ना अब भेंट हमारी।

यादें तुम्हारी
ना दिल से मिटायेगे
बितेगा सफर यूँ ही
इक रंगी हमारा
ना होगा ओझल
रहेगा बसा आँखों में
वो अक्स तुम्हारा
चलेंगे हम
संग होगा साया तुम्हारा।

काश दे के आवाज तुम्हें
बुला पाते
एहसास अपने जज्बातों का
दिला पाते
पता जो मालूम होता तुम्हारा
भेज के पाती
बहाने से तुम्हें किसी भी
बुला पाते
कसमें जो रह गई हैं अधूरी
वो निभा पाते।

ख्वाबों का ही अब सहारा होगा
हमसफर कोई दूजा ना हमारा होगा
याद में तुम्हारी
नम आँख में जो आँसू होगा
कहने को हमारा
नाम उस पर तुम्हारा ही होगा।

कविता

अंजु कपूर गांधी

नारी

सच कहूं तो हर नारी
जिम्मेदारियों के बोझ तले
खुद के सपनों को दबाए
चलती रही ताउम्र बोझा
अपने सिवाए ,सबका उठाए
थकती पर रुकती नहीं है
चलती जाती
जीवन होम किया
फिर भी
अंत ठगा खुद को है पाती
सबसे बड़ी ठगी तो वो है
खुद से ही जो करती जाती
आती -जाती श्वासों में ये जीवन खेले
इससे पहले मृत्यु निज आगोश में ले
लक्ष्य जो चिन्हित किये थे
उनको पाना याद कर
हैं बची सांसें ये जितनी
अब तो अपने नाम कर
खोल दे बंद मुठ्ठियां
ख्वाहिशों को पंख लगा
पांव जमीं पर रहें...
'अंजु' व्योम छू के आ !

लघुकथा

विश्वदीपक त्रिखा

कामवाली बाई

पिछली कामवाली बाई छोड़ गई थी। नई कोई मिल नहीं रही थी। दिक्कत बहुत थी। हम दोनों ऑफिस चले जाते तो घर में बच्चे और बच्चों के दादा-दादी अकेले होते। किसी ने बताया कि दिल्ली में एजेंसी से मिल जाएगी मेड। उनसे बात की। उन्होंने एडवांस पेमेंट ली और उन्हीं का आदमी साथ लेकर आया। एग्रीमेंट पर हमारे हस्ताक्षर करवाए और मेड को छोड़ कर चला गया।

मेड का नाम था लवली। 32/33 की उम्र थी। बंगाल की रहने वाली थी। बंगाली बोलती थी। टूटी-फूटी हिंदी भी बोल लेती थी। दो-चार दिन के बाद उसने मोर्चा संभाल लिया। काम आसान हो गया। खाना बहुत ही अच्छा बनाती थी। और किसी किस्म के नखरे भी नहीं थे। एक साल बाद बोली कि भैया घर जाऊंगी, टिकट बुक करवा दो। मैंने टिकट बुक करवा दी। एक महीने बाद वापस आई तो रो रही थी। बोली भैया रास्ते में टीटी ने 2000 रुपये जुर्माना लगा दिया। आधार कार्ड दिखाया तो कहता टिकिट किसी और के नाम से है।

मैंने कहा, आधार दिखाओ । आधार कार्ड देखा तो उस पर नाम था आबिदा बेगम। टिकट मैंने लवली के नाम से करवाई थी। मेरा काटो तो खून नहीं। मैंने पूछा, लवली आप मुसलमान हो क्या। बोली, हां भैया।

मैं उठ कर दूसरे कमरे में चला गया। मेरी बीवी भी पीछे आ गई। हम दोनों ही परेशान कि ये क्या हुआ हमारे साथ। धोखा ये नहीं कि वो मुसलमान है। धोखा ये कि हमें एजेंट ने या खुद लवली ने ये सब बताया क्यों नहीं। एग्रीमेंट लवली के नाम से ही बना था। हमने उस वक्त आधार देखने की जरूरत ही नहीं समझी। थोड़ी देर में जब हम सदमे से उभरे तो बाहर आकर उसको चाय बनाने के लिए बोला और पहले जैसे ही हंस बोल कर माहौल को हल्का बनाने की कोशिश की ताकि उसको महसूस न हो।

मैं ठहरा ब्राह्मण, वो भी असली वाला और मेरे घर में कामवाली मुसलमान, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करू। उसके गुण देखूं कि उसका धर्म देखूं। जो गुण थे उसमें, उसके सामने उसका धर्म गौण लगा मुझे। मैं कोई सेकुलर नहीं हूं। कट्टर हिंदू हूं लेकिन कुछ रिश्ते इन सब से ऊपर हो जाते हैं। शायद उसका हमारा रिश्ता कुछ ऐसा ही बन चुका था। वो उमर में मेरे से छोटी थी पर डांटती ऐसे थी जैसे कि मेरी मां हो। घर में चलती भी उसी की थी। मैं कभी बीवी को डांट दूं तो मेरे को डांट दिया करती। कभी मेरे से कोई गलती हो जाती तो मेरी खैर नहीं। हमारे घर में क्या कहां पड़ा है सब उसी को पता होता था न कि मेरी बीवी को। एक तरह से वो घर की कंप्लीट केयरटेकर थी। सब वैसे ही चलता रहा। ईद में मेरी बीवी उसके लिए सिवांइया बनवाती। दीवाली में हमारे साथ वो पूजा करती। उसने हमारे घर 16 साल काम किया। कोरोना की दूसरी लहर में घर गई। फिर वापस आई और एक साल और काम किया लेकिन उसके बाद उमर हो गई थी उसकी भी 50 के आसपास।

अब काम नहीं होता था उससे। बोली, जाऊंगी वापस घर। मेरी बीवी ने बहुत रोका, बोली रुक जाओ। हमें आपकी आदत सी हो गई है। लेकिन चाहते हुए भी वो नहीं मानी। खैर, इतना ही साथ था हमारा। हम उसको दिल्ली स्टेशन पर छोड़ने गए। ट्रेन चली तो हम तीनों की आंखों में आंसू थे।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को जटिल,लेकिन अत्यंत रोचक करार देते हुए कहते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने साहित्य की प्रकृति, पहुंच और अभिव्यक्ति के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। साहित्य अब केवल शब्दों का खेल नहीं रहा, वह मल्टीमीडिया अनुभव बनता जा रहा है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देता साहित्य : डॉ. सत्यबीर 'निराला'

भारतीय संस्कृति में साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। इसलिए सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर लेखन के जरिए साहित्य साधना कर रहे साहित्यकार संस्कृति और परंपराओं और सभ्यता के प्रति समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह ऐसे ही साहित्यकार हैं, जिन्होंने पद्य, दोहे, वर्णमाला, चौपाई, भजन, हरियाणवी भजन व बारह मास जैसी विधाओं में सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देने का प्रयास किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को साहित्य संवर्धन का हिस्सा बनाकर उन्होंने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए कला और संगीत की विधाओं में भी एक कलाकार व गायक और समाजसेवा की भाव के साथ अपनी पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेरित करने पर बल दिया है। वरिष्ठ साहित्कार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' का जन्म 24 अक्टूबर 1956 को रोहतक जिले के गाँव निगाना में एक सामान्य कृषक परिवार में बनारसी दास नम्बरदार व सरबती देवी के घर में हुआ। परिवार में पारिवारिक पृष्ठभूमि में कोई साहित्यिक या सांस्कतिक माहौल नहीं था, लेकिन उन्हें बचपन से ही भजन और गीत गाने का बहुत शौक था। हालांकि होश संभालने के बाद मध्यम वर्ग का परिवार होने की वजह उनके जीवन में भी आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अल्पायु यानी 14 या 15 वर्ष की उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। वक्त के साथ जब वह बड़े हुए तो उन्होंने अपनी पढाई के साथ में संगीत की शिक्षा ग्रहण करनी भी जारी रखी और जल्द ही वह बड़ी स्टेजों पर बतौर गायक तथा हारमोनियम वादक के तौर पर कार्य करने लगे। समय के साथ ख्याति बढ़ती गई और उन्हें फिल्मों, नाटकों में गीत लिखने के लिए तथा बतौर संगीतकार के तौर पर कार्य करने के अवसर मिलते रहे, लेकिन कहीं न कहीं मन में एक टीस बाकी थी कि उनकी रचनाएं किस प्रकार आने वाली पीढ़ी को जागरूक करे। इसलिए उन्होंने साहित्य लेखन की तरफ अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए। साहित्य सृजन करते हुए वह अब तक करीब 78 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। हालांकि दस पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। कवि धर्म संसद में सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने शुभ आशीष देते हुए उन्हें साल 1990 में 'निराला' उपाधि से नवाजा। हालांकि घर परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकारी नौकरी करने तथा साहित्य लेखन व संगीत के कार्य में सामंजस्य बैठाने में वास्तव में उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद खासतौर से साहित्यिक क्षेत्र की दृष्टि से उन्हें बड़ी राहत मिली। इसलिए अब वह लगातार दिन-रात साहित्य सृजन तथा साहित्यिक गतिविधियों में इतना व्यस्त रहने लगे और अब तक वह करीब 75 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। साहित्य और संगीत में पीएचडी की मानद उपाधि हासिल कर चुके डॉ.सत्यबीर सिंह, आमतौर पर उनके लेखन का फोकस हर विषय पर रहा है, लेकिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों, अध्यात्म एवं जनजागृति पर आधारित रचनाओं पर ज्यादा कलम चलाई है। साहित्य सृजन के अलावा वह सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय हैं और निराला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक के रूप में वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में अब तक 150 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क एडवांस बेसिक कंप्यूटर कोर्स और बेसिक कंप्यूटर कोर्स करवाए जा चुके हैं। वहीं पौधरोपण, रक्तदान आदि गतिविधियों तथा धर्म प्रचार-प्रसार कार्यों में अहम वह लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने बताया कि वह अब तक हरियाणवी भाषा में 250 से ज्यादा गीत, कविताएं लिख चुके हैं, जिसमें उनकी एक पुस्तक 'टूटता तारा' हरियाणवी भाषा मे प्रकाशित हो चुकी है। बतौर संगीतकार, गीतकार, गायक एवं अदाकार के रूप में कई हरियाणवी फिल्मों, टेलीफिल्मों तथा नाटकों में कार्य किया। वे कहते हैं कि साहित्यकारों को अपनी रचनाओं और लेखों को रोचक व प्रासंगिक बनाने के लिए विज्ञान, राजनीति, समाजशास्त्र के साथ साहित्य का संवाद स्थापित करना होगा।

प्रकाशित पुस्तकें

निराला' ने अब तक हिंदी व हरियाणवी भाषा में 75 से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से आइना - ए-निराला, सत्य की ओर, दरकते-रिश्ते, अदालत, प्यार का पैगाम,घटता आँचल, टूटता तारा (हरियाणवी), संत बाबा मेहरशाह (ग्रंथावली) शामिल हैं। उनकी साझा संग्रह पुस्तकों में 'पौत्र प्रभाविकरण', 'तनै कर दिया इसा कमाल', 'गुरु कृपा', 'संस्कारों की क्यारी', 'प्यारा नंद लाला', 'भारत माता की जय', 'मेघा पुष्प', 'कविता कौमुदी' के अलावा प्रकाशनाधीन साझा संग्रह पुस्तक 'एकता', 'बेरहम' और 'महिलाओं की प्रधानता और नेतृत्व' शामिल हैं।

डॉ.सत्यबीर सिंह 'निराला'

पुरस्कार व सम्मान

डॉ. सत्यबीर को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से 'हरियाणवी भाषा के विकास की संभावनाए' विषय पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उनको प्रमुख रूप से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, राष्ट्रीय कबीर कोहिनूर सम्मान, 'बाल अधिकार साहित्य सम्मान, अटलश्री सम्मान, विधा भास्कर निराला सम्मान, कवि महेन्द्र सिंह नंबरदार स्मृति सम्मान, मिसरी-जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव साहित्य सम्मान, प्रकृति गौरव सम्मान, संस्कृति प्रेमी सम्मान, सनातन धर्म और साहित्य सम्मान शामिल हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला'
जन्मतिथि :24 अक्टूबर 1956
जन्म स्थान :गांव निगाना, रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : इंटरमिडिएट, पीएचडी उपाधि
संप्रति : साहित्यकार, संगीतकार, गायक एवं समाजसेवी, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त।

वेदना और संवेदना का मिश्रित रंग है अमूर्त काल

पुस्तक : अमूर्त काल
लेखक : अजय रोहिल्ला
मूल्य : 350 रुपये
प्रकाशक : आधार प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

भारत भूषण शर्मा

अजय रोहिल्ला एक विद्रोही वजूद का मानवीय नाम है, जो उनकी सोच, समझ और स्वभाव का प्रतिबिंब बनकर, कभी उन्हें रंगमंच का कलाकार, कभी निर्देशक, कभी सिल्वर स्क्रीन पर एक सक्षम अभिनेता तो कभी चित्रकार के रूप में सामने लाता है। उनके विद्रोही और आक्रामक स्वभाव का एक नया रूप कवि के रूप में देखने को मिला है।

उनका कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के रूप में हमारे सामने है। हालांकि, अजय की कविताओं को मैंने इस संग्रह से हटकर भी पढ़ है। कई संदर्भों में महसूस किया है। अजय रोहिल्ला की कविताओं को समझने से पूर्व यदि उनके कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के शाब्दिक, व्याकरणिक अर्थ को समझ लेंगे तो इन रचनाओं को समझने में आसानी होगी। 'अमूर्त काल' यानि जो किसी स्पष्ट क्रिया या निश्चित समय का संकेत नहीं देते, बल्कि किसी कार्य की सामान्य स्थिति, इच्छा भावना या संभावना को प्रकट करते हैं। कविता संग्रह 'अमूर्त काल' एक गूढ़ अवधारणा है, जो कवि को समय की सीमाओं पर जाकर अनुभूति, स्मृति, कल्पना और भावना के माध्यम से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है। उपरोक्त व्याकरणिक परिभाषा के अनुरूप अजय रोहिल्ला अपनी सोच, अपनी काल्पनिकता और अपने विद्रोही तेवरों को कविताओं के माध्यम से उकेरने में सफल हुए हैं। उनके कविता कौशल के कुछ शानदार, उद्वेलित करने में सक्षम नमूने देखिए-

युद्ध एक काला घाव
जो आकाश फटता है
उसके छींटें
हड्डियों की चीख, बारूद की गंध
पर नजर पड़ते ही
वह घाव सिकुड़ता है
और कीचड़ में खिल उठता है कमल
जो रात के स्वप्न में तैरता है...

इनके अलावा भी बहुत सी घायल संवेदनाएं, आहत अहसास और सहमी हुई सिसकियां हैं, जो अजय रोहिल्ला के 'अमूर्त काल' में उसने वेदना और संवेदना के मिश्रित रंगों से उकेरी हैं। 'अमूर्त काल' में छपी उसकी सभी रचनाओं के केंद्र में विश्व मंच पर लगातार हो रहे इंसानियत के ह्रास की तस्वीर नजर आती है। इस कविता संग्रह को उस शख्स को एक बार तो अवश्य पढ़ लेना चाहिए, जो समाज और समय में संक्रमित हो रहे संदर्भों से विचलित होने में सक्षम हो, जिसके अंदर इंसानियत को जिंदा रखने की ललक भी हो।

खबर संक्षेप

गोगामेड़ी पर वार्षिक मेले का हुआ आयोजन

रतिया। गोगामेड़ी रतिया में गोगा जाहरवीर का वार्षिक मेला आज बड़े धूमधाम से मनाया गया है। गोगा मेड़ी सेवा ट्रस्ट के प्रधान अमरीक सैनी ने बताया कि संत बाबा तेजगिर जी महाराज के पावन सनिध्य में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गोगामेड़ी सेवा ट्रस्ट द्वारा गोगामेड़ी मंदिर में गोगा जाहरवीर के वार्षिक मेले का आयोजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर परिसर में तांता लगा हुआ है। माथा टेकने के लिए लंबी-लंबी लाइन लगी हुई है।

विदेश भेजने के नाम पर 10 लाख की ठगी

नारनौंद। विदेश में पढ़ाई करने के मामले में एक युवक के साथ ठगी कर ली गई। कापडो निवासी कृष्ण कुमार ने अपने बेटे रितेश को साइप्रस पढ़ाई के लिए भेजने की खातिर एजेंटों को 10 लाख रुपये दे दिए, लेकिन न तो फीस जमा हुई और न ही सही कॉलेज में दाखिला मिला। उसके बेटे का वीजा भी कैंसिल हो गया।

रॉन्ग पार्किंग पर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती

बाजारों में खड़ी कारों को टोचन कर पुलिस लाइन पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

शहर के बाजारों में सडक़ों पर गाडियां करने वालों की अब खैर नहीं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशन में फतेहाबाद यातायात पुलिस ने शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत फतेहाबाद शहर के मुख्य बाजारों, व्यस्त चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर गलत तरीके से खड़ी गाड़ियों और रॉन्ग पार्किंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे वाहनों को टोचन कर पुलिस लाइन ले जाने के लिए एक स्पेशन क्रेन लगाई गई है। ट्रैफिक पुलिस की इस कार्रवाई को लोग भी काफी सराह रहे हैं। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अब नियम तोड़ने वालों को किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। जहां-जहां वाहन गलत तरीके से खड़े मिले, उन्हें मौके पर ही टोचन कर पुलिस लाइन ले जाया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य बाजारों में जाम की स्थिति से बचाव करना, पैदल चलने वालों के लिए सुगम रास्ता उपलब्ध कराना और सडक़ हादसों की संभावनाओं को कम करना है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें। रॉन्ग पार्किंग करने पर टोचन शुल्क और चालान दोनों भरने होंगे। पुलिस ने चेतावनी दी है कि बार-बार नियम तोडऩे वालों के खिलाफ और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा है कि सही पार्किंग आदत न केवल कानून का पालन है बल्कि सभी की सुविधा और सुरक्षा के लिए भी जरूरी है।

फतेहाबाद। गाड़ी को टोचन कर ले जाते ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

- यातायात नियम तोड़ने वालों को किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी

धूमधाम से मनाया गया दादी गौरी माता का वार्षिक मेला

रतिया। मंदिर में मत्था टेकने पहुंचे श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

- हरियाणा व पंजाब से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने माथा टेककर अपनी मन्नतें मांगी

क्षेत्र के गांव लाली में आज दादी गौरी माता का वार्षिक मेला हर साल की तरह बड़ी श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। इस मेले में हरियाणा व पंजाब से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने माथा टेककर अपनी मन्नतें मांगी। मेले के दौरान मंदिर कमेटी के सदस्यों व ग्रामीणों द्वारा मंदिर को बड़े ही सुंदर व आकर्षक ढंग से सजाया गया था। उल्लेखनीय है कि माता गौरी दादी का मेला क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध है। मेले के दौरान हरियाणा, पंजाब व अन्य राज्यों से श्रद्धालु एक दिन पूर्व ही गांव लाली में पहुंचने शुरू हो जाते हैं तथा मेले की सेवा में जुट जाते हैं। दूरदराज से आए हुए श्रद्धालुओं द्वारा माता गौरी दादी के मंदिर पर झंडा भी चढ़ाया जाता है। मेले के सेवादारों सहित अनेक लोगों ने बताया कि यह मेला पिछले कई वर्षों से लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान गांव लाली के अलावा लालवास, अलीका, खैरपुर, कलोठा, महम्मदकी, रतनगढ़, बोड़ा, बलियाला सहित सैंकड़ों गावों से श्रद्धालु पहुंचकर माथा टेकते हैं और मन्नतें मांगते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मंदिर में जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से अपनी मन्नत मांगता है, माता गौरी उसकी मन्नत अवश्य पूरी करती है। मेले के दौरान दूर-दराज से आए हुए अनेक दुकानदारों ने विभिन्न वस्तुओं की सुंदर-सुंदर दुकानें सजा रखी थी, जहां पर सबसे अधिक भीड़ देखने को मिल रही थी।

लाटरी निकलने के नाम पर साइबर ठगों ने नाई से हजारों रुपये ठगे

फतेहाबाद। लाटरी निकलने के नाम पर साइबर ठगों ने भट्टू के एक नाई से 27,567 रुपये ठगने का मामला सामने आया हैं। इस बारे पीड़ित युवक ने ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई जिसके बाद अब भट्टूकलां पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज किया हैं। पुलिस को दी शिकायत में भट्टूकलां निवासी सन्नी पुत्र जयनारायण ने कहा है कि वह गांव में ही नाई का काम करता है। कुछ दिन पहले उसके पास श्री सांवरिया सेठ उपहार योजना, भीलवाड़ा, राजस्थान के नाम से व्हाटसएप मैसेज आया। मैसेज में कहा गया था कि ऑनलाइन टोकन खोला जाएगा और इसके लिए उसे 199 रुपये की ऑनलाइन पैमेंट करके उसके पैमेंअ का स्क्रीनशॉट भेजना होगा। इसके बाद उसके व्हाट्सएप पर एक क्यूआर कोड भेजा। इसके बाद उसने उक्त क्यूआर कोड पर फोन पे से 199 रुपये भेज दिए। इसके बाद उसके पास फोन आया और फोन करने वाले ने कहा कि उसकी 2 लाख 15 हजार रुपये की लाटरी लग चुकी है। उसे लाटरी के पूरे पैसे चाहिए या बुलेट बाईक चाहिए। इस पर उसने लाटरी के पैसे लेने की बात कही। शिकायतकर्ता सन्नी ने बताया कि इसके बाद उक्त व्यक्ति ने कहा कि पूरे पैसे लेने के लिए उसे पहले 6160 रुपये प्रोसेसिंग फीस भरनी होगी। इसके बाद उसने भेजे गए क्यूआर कोड पर 6160 रुपये भेज दिए। इसके बाद उससे कहा गया कि उसने 6107 रुपये भेजने थे ना कि 6160 रुपये। इसके बाद उसने दोबारा 6107 रुपये ट्रांसफर कर दिए। , इसके बाद उसे सिस्टम में खराबी आने की बात कहकर 7650 रुपये भेजने के लिए कहा जोकि उसने ट्रांसफर कर दिए।

- पीड़ित ने ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत करवाई दर्ज

बुलेट बाइक के मोडिफाइड साइलेंसर पर पुलिस की कार्रवाई, 15 हजार का जुर्माना

- सडक़ सुरक्षा और यातायात अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए चलाया विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

ट्रैफिक पुलिस द्वारा सडक़ सुरक्षा और यातायात अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को ट्रैफिक पुलिस टीम ने नेशनल हाईवे-9 पर बुलेट मोटरसाइकिलों में लगाए गए मोडिफाइड साइलेंसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। ट्रैफिक पुलिस प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह ने बताया कि ऐसे साइलेंसर न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य वाहन चालकों और आम नागरिकों के लिए ध्वनि प्रदूषण और असुविधा का कारण भी बनते हैं। अभियान के दौरान एक बुलेट बाइक चालक का चालान काटा गया और 15 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। साथ ही चालकों को भविष्य में ऐसे अवैध साइलेंसर का उपयोग न करने की सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अनधिकृत परिवर्तन न करें। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने स्पष्ट किया है कि सडक़ पर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले तथा सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने वाले ऐसे कृत्यों के खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

फतेहाबाद। बुलेट बाइक के मोडिफाइड साइलेंसर पर चालान करते पुलिस कर्मचारी।

500 किलोमीटर दूर राजस्थान से पकड़ा साइबर ठगी का आरोपी

फतेहाबाद। साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर क्राइम थाना फतेहाबाद पुलिस ने ठगी के आरोपी युवक को 500 किलोमीटर दूर राजस्थान से काबू किया है। पकड़े गए युवक की पहचान महेश पुत्र राजूराम निवासी अशोक नगर, चंदन भाकर, प्रताप नगर, जोधपुर, राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5 हजार रुपये भी बरामद किए हैं। थाना साइबर फतेहाबाद प्रभारी, निरीक्षक राहुल कुमार ने बताया कि इस बारे शिकायतकर्ता प्रमोद कुमार पुत्र भूप सिंह निवासी सिंथला, जिला फतेहाबाद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके साथ ऑनलाइन ठगी की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसे टेलीग्राम ग्रुप में जोडक़र विभिन्न लिंक और फर्जी टास्क पूरे करवाने के नाम पर अलग-अलग यूपीआई आईडी व बैंक खातों के माध्यम से करीब 12 लाख 24 हजार 909 रुपये की ठगी की गई। शिकायत पर थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद में धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान साइबर क्राइम पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्य और ट्रांजैक्शन डिटेल्स के आधार पर आरोपी महेश को गिरफ्तार किया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई नियमानुसार जारी है।

अधिवक्ता पर एफआईआर मामले में सैलजा ने सीएम को पत्र लिखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने अधिवक्ता अमित सिहाग प्रकरण को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। कुमारी सैलजा ने कहा कि अधिवक्ता के परिसर में 29 जुलाई को अवैध प्रवेश कर उत्पीडन की घटना घटी, जिसकी शिकायत स्वयं पीड़ित अधिवक्ता ने पुलिस को दी। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन ने निष्पक्ष कार्रवाई करने की बजाय शिकायतकर्ता अधिवक्ता के विरुद्ध ही मामला दर्ज कर दिया, जो निंदनीय है। इस मामले को लेकर उन्होंने सीएम नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर स्वयं हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। सैलजा ने कहा कि पुलिस प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, जबकि प्रशासन इस मामले को सुलझा सकता था। प्रशासन और पुलिस की उदासीनता के कारण यह मामला गंभीर रूप ले चुका है। इस अन्यायपूर्ण रवैये के खिलाफ सिरसा के अधिवक्ता 12 अगस्त से हड़ताल पर हैं, जिससे न्यायिक कार्य बाधित हो रहा है और प्रतिदिन हजारों नागरिक प्रभावित हो रहे हैं।

- पुलिस प्रशासन ने निष्पक्ष कार्रवाई करने की बजाय शिकायतकर्ता अधिवक्ता के विरुद्ध ही मामला दर्ज किया
- प्रशासन और पुलिस की उदासीनता के कारण मामले ने गंभीर रूप लिया

नेहरू पार्क से मोची रोड व गणेश कॉलोनी की गलियों का निर्माण कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

भूना नगर में रविवार को विकास कार्यों को नई गति देते हुए दो प्रमुख सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका के चेयरपर्सन प्रतिनिधि पंकज पसरीजा व वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी व वार्ड नंबर 13 के पार्षद प्रतिनिधि मुकेश भूक्कल और वार्ड नंबर 8 के प्रतिनिधि संजीव छोकरा ने इंटरलॉकिंग टाइल्स से बनने वाली सड़कों का शुभारंभ किया। पहली सड़क नेहरू पार्क से लेकर मोची रोड तक बनाई जा रही है, जिसकी लागत करीब 48 लाख रुपये है। वहीं, दूसरी सड़क गणेश कॉलोनी स्थित चंद्रप्रकाश के घर से शुरू होकर सुखदेव सरपंच व विजय मुंजाल के घर तक जाएगी, जिसकी अनुमानित लागत 32 लाख रुपये है। गणेश कॉलोनी निवासी सुनील कुमार , सतपाल शर्मा,कमला देवी, सुभाष चंद्र, मांगेराम आदि ने बताया कि बरसात के मौसम में इन गलियों की हालत बेहद खराब हो जाती थी। पानी भरने से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। चेयरपर्सन अर्पणा पंकज पसरीजा व सचिव दीपक कुमार ने बताया कि नगर में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है और आने वाले समय में अन्य वार्डों में भी सड़क व गलियों के निर्माण कार्य शुरू किए जाएंगे।

भूना। नगर पालिका के चेयरपर्सन प्रतिनिधि पंकज पसरीजा व वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए

चचेरे भाई को फुसलाकर घर से गहने चोरी करवाए

नारनौंद। बास थाना क्षेत्र के गांव बास अकबरपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई को बहला-फुसलाकर घर से सोने-चांदी के गहने चोरी करवा लिए। परिजनों को जब इस बात का पता चला तो पूरा मामला खुलकर सामने आया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चोरी की केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बास अकबरपुर निवासी बजरंग ने बास थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका छोटा भाई आशीष पढ़ता है। इसी बीच उसके चाचा रामपाल का बेटा साहिल जो पिछले कुछ समय से मंगलमुखी समुदाय के साथ रह रहा है और खुद को महंत बताता है, उसने उसके छोटे भाई को बहकाकर चोरी की घटना को अंजाम दिलवाया।

नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर पुलिस अलर्ट

- रतिया में चलाया सघन तलाशी अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिलेभर में चल रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत डीएसपी रतिया नर सिंह के नेतृत्व में सीआईए रतिया, शहर थाना, सदर थाना और डांग स्क्वायड की संयुक्त पुलिस टीमों ने रविवार को रतिया क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य नशे के अवैध कारोबार को जड़ से समाप्त करना और समाज को एक स्पष्ट और सख्त संदेश देना है। पुलिस टीमों ने रतिया शहर के प्रमुख क्षेत्रों, ढाबों, बस अड्डों, गांवों और अन्य संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की। दर्जनों वाहनों और व्यक्तियों की जांच की गई, जबकि कुछ स्थानों से संदिग्ध सामग्री बरामद कर फॉरेंसिक जांच हेतु भेजी गई है। साथ ही, रतिया क्षेत्र के कई गांवों में पूर्व में नशा तस्करी में संलिप्त संदिग्धों के घरों पर भी दबिश दी गई। कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसपी सिद्धांत जैन ने स्पष्ट कहा कि नशा तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

रतिया। क्षेत्र में तलाशी अभियन में जुटी पुलिस टीमें। फोटो : हरिभूमि

नागरिकों से की अपील

एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। फतेहाबाद पुलिस नशे पर पूर्ण अंकुश लगाने और विशेषकर रतिया क्षेत्र को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। यह कार्य पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। एसपी ने कहा कि नशे के सौदागर सावधान हो जाएं, उनके लिए अब सिर्फ एक ही जगह जेल है। किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

गोसेवा के लिए समर्पित थे संत राजेंद्रानंद: बंसल

उकलाना। संत राजेन्द्रानंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते गणमान्य व्यक्ति।

हरिभूमि न्यूज ⏭ उकलाना

गो ऋषि संत राजेंद्रानंद महाराज का देवलोक गमन होने पर श्री कृष्ण गौशाला में भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने महाराज द्वारा गौ माता के लिए किए गए कार्यों को याद किया तथा बताया कि वह वास्तव में गो पुत्र थे जिन्होंने अपना सारा जीवन गो सेवा गौ रक्षा तथा समाज को गौ माता के प्रति श्रद्धा बढ़ाने के लिए लगा दिया। उनका आकस्मिक देवलोक गमन समाज के लिए बहुत बड़ी क्षती है जिसे पूरा करना बहुत कठिन है। श्री कृष्ण गोशाला के तत्वाधान में ही संत राजेंद्र आनंद महाराज पिछले महीने ही उकलाना में कथा करके गए थे तथा लोगों में गोमाता के प्रति श्रद्धा बढ़ाने का कार्य किया था। महेश बंसल ने कहा कि संत गुरु सेवा को समर्पित थे जिन्होंने गोशालाओं को सहयोग दिलवाने में अपनी अहम भूमिका निभाई।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर प्रधान अभेराम मंगला, महेश बंसल, रोशन मित्तल, जगदीश असीजा, रतन मित्तल, नरेंद्र गर्ग, विनोद गोयल, बलवान घायल, सतीश दनोदा, रामकुमार गोयल, निहाल सिंह बरड़, सुभाष थापन, मक्खन जोदकन व विनोद गोयल सहित बड़ी संख्या में गोभक्त उपस्थित थे।

पत्नी की हत्या करके खुद रेल से कटा

उकलाना मंडी। नजदीकी गांव नया गांव में महिला की हत्या करके खुद आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने मृतकों की बेटी की शिकायत पर केस दर्ज किया है। इस संबंध में मृतका की बेटी खुशी ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत के अनुसार वे तीन भाई बहन है। बड़ा भाई टींकु हिमाचल प्रदेश में काम करता है तथा भाई रींकु उसके मामा के साथ गांव मिर्जापुर में रहता है। घर शिकायतकर्ता, उसकी मां सुरेश देवी व पिता राजेश तीनों रहते हैं। शिकायत के अनुसार मेरी मां व मेरे पिता का झगड़ा होता रहता था और करीब चार साल से उसका पिता राजेश मेरी मां सुरेश देवी के चरित्र पर शक करता था। इसके चलते इनका आपस में झगड़ा होता रहता था। गत 15 अगस्त को सुबह करीब 8 बजे शिकायतकर्ता अपनी चाची सुदेश के साथ खेतों में काम करने के लिये गई थी जबकि घर पर उसकी मां सुरेश देवी व पिता राजेश दोनों ही थे। जब हम खेतों से काम करके दोपहर लगभगग डेढ़ बजे घर आई तो घर पर कोई नहीं मिला। कुछ देर बाद उसका पिता घर आया तो उससे पूछा की मेरी मां कहां है तो उसने कहा कि तेरी मां तेरे मामा के घर मिर्जपुर चली गई। शाम को मैने मेरे मामा राममेहर व अन्य रिश्तेदारियों में फोन किया तो मुझे मेरी मां का कोई पता नहीं चला।

समिति गठित भट्टू में किसान सभा की मीटिंग, राज्य सम्मेलन को लेकर आयोजन समिति का गठन

खेतों में जलभराव से हुए नुकसान के मुआवजे और क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की मांग उठाई

- बहन मनीषा के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग के लिए प्रस्ताव पारित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भट्टूकलां

जलभराव से बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे, नुकसान को दर्ज करने के लिए पोर्टल खोलने, बीमित किसानों को बीमा क्लेम देने आदि मांगो को लेकर किसान सभा द्वारा भट्टू की अग्रवाल धर्मशाला में एक मीटिंग की गई। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि किसानों के इन मुद्दों को लेकर किसान सभा का प्रतिनिधिमंडल तहसीलदार और जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेगा। मीटिंग में किसानी मुद्दों को लेकर 4-5 अक्टूबर को भट्टू में होने वाले राज्य सम्मेलन के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया वहीं लोहारू की बहन मनीषा के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग के लिए प्रस्ताव पारित किया। मीटिंग की अध्यक्षता सूरजमल जाखड़ ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए किसान सभा जिला प्रधान विष्णु और सचिव राजेंद्र रतिया ने कहा कि जिला में हजारों एकड़ फसल बारिश और अत्यधिक जलभराव से बर्बाद हो चुकी है। भट्टू में हजारों एकड़ फसल सेम की समस्या के चलते खत्म हो गई लेकिन सरकार इसके स्थाई समाधान के लिए कोई योजना नहीं बना रही। पानी की निकासी के लिए लगे हुए पंप सेट और मोटर काम नहीं कर रहे। काफी गावों में पंप या तो खराब पड़े है या बंद है, इसके चलते पानी की निकासी नहीं हो रही और फसल बर्बादी का रकबा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को नुकसान को दर्ज करने के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल नहीं खोला जा रहा। इसी तरह बीमित किसानों के नुकसान को भी दर्ज करने में बीमा कंपनियों किसान विरोधी शर्ते लगा देती है। किसान सभा ने मीटिंग में मांग की जिला में फसलों के इस नुकसान को दर्ज करने के लिए गिरदावरी करते हुए क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला जाए और किसानों को 40 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए।

किसान सभा हरियाणा के राज्य महासचिव सुमित दलाल ने बताया कि किसानों के मुद्दों जिसमें कर्ज मुक्ति, स्मार्ट/प्रीपेड मीटर योजना को रद्द करने, एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी, जबरन जमीन अधिग्रहण के खिलाफ, बीमा कंपनियों की लूट, प्राइवेट मंडी कानून आदि मुद्दों पर आगामी आंदोलन की मजबूती के लिए किसान सभा का 15वां त्रिवार्षिक राज्य सम्मेलन इस बार भट्टू में होगा।

भट्टूकलां। किसान सभा की बैठक को संबोधित करते किसान नेता। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मा. हनुमान सिंह, सुभाष चन्द्र भाद्धु, सोहनलाल गोदारा, रोहतास डुडी, शाहनवाज एडवोकेट, ओमप्रकाश अनेजा, जगतार सिंह, राजेंद्र प्रसाद बाटू, देसराज, रामनारायण, विजेन्द्र सिंह, रामेश्वर दास, भुप सिंह, ओमप्रकाश, राजेन्द्र सिंह, विष्णु सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

अमित सिहाग ओडिशा के पर्यवेक्षक नियुक्त

डबवाली। कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत हलका डबवाली के पूर्व विधायक अमित सिहाग को कांग्रेस पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। पार्टी ने उन्हें ओडिशा संगठन बनाने हेतु बतौर एआईसीसी ऑब्जर्वर की अहम जिम्मेवारी सौंपी है। अमित सिहाग समय-समय पर पार्टी को अपनी सेवाएं देते रहे हैं, जिसके तहत उन्होंने कर्नाटक, राजस्थान, हिमाचल आदि प्रदेशों में अपनी सेवाएं पार्टी को दी है। इसके बाद हाल ही में हरियाणा में संगठन सृजन अभियान के तहत जिला अध्यक्षों की नियुक्ति करने के समय भी हिसार में उन्होंने बतौर पर्यवेक्षक अपनी सेवाएं दी थी और अब पार्टी ने उड़ीसा में उन्हें अहम जिम्मेदारी देते हुए एआईसीसी पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

पुलिस ने ठगी की राशि पीड़ित को वापस दिलवाई

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस साइबर अपराधों के खिलाफ लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए पीड़ित को उसकी पूरी राशि वापस दिलवाई है। थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि थाना सदर फतेहाबाद साइबर हेल्प डेस्क पर कार्यरत पुलिस टीम को पवन कुमार पुत्र मि_ राम, निवासी बड़ोपल से शिकायत प्राप्त हुई थी। परिवादी ने बताया कि उसे एक लिंक भेजकर धोखाधड़ी से उसके खाते से 40 हजार की राशि निकाल ली गई थी। घटना के तुरंत बाद परिवादी ने थाना सदर में आकर शिकायत दर्ज करवाई, जिस पर पुलिस टीम ने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर मामला दर्ज किया। साइबर पुलिस टीम फतेहाबाद ने तकनीकी दक्षता और त्वरित कार्रवाई का परिचय देते हुए पूरी राशि को ब्लॉक कर पीड़ित के खाते में वापस जमा करा दिया।

तूड़ी से भरी ट्राली खंभे से टकराई, एक घायल

फतेहाबाद। रतिया के गांव बाड़ा में तूड़ी से भरी ट्राली बिजली के खंबे से जा टकराई। टक्कर से खंबा जमीन पर आ गिरा और उस पर लगा लोहे का एंगल एक व्यक्ति के सिर में जा लगा। इस मामले में पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव चांदपुरा निवासी जगतार सिंह ने कहा है कि वह राजमिस्त्री का काम करता है। इस दौरान ट्रैक्टर की टक्कर में खंभा गिरने से वह घायल हो गया।

डीपीएस के खिलाड़ियों ने जमाया रंग

सिरसा। दिल्ली पब्लिक स्कूल सिरसा के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का लोहा मनवाते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के खिलाड़ी वर्तेश, विहान बंसल, अयान सिंगला और समरवीर मेहता ने सीबीएसई नॉर्थ जोन शतरंज प्रतियोगिता (अंडर-14 कैटेगरी) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सीबीएसई से संबद्ध लगभग 45 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया।

श्री कृष्ण गोपाल गोशाला ट्रस्ट के कार्यक्रम में आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश ने की शिरकत

चुली बागड़ियां में श्रद्धा से मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

गांव चुली बागडिय़ा में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम श्री कृष्ण गोपाल गौशाला ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश थे और दीप प्रज्ज्वलित समाजसेवी ओम प्रकाश गोदारा व हरी निवास जांदू ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि विनोद कुमार बेनीवाल ने की। श्री कृष्णा जन्माष्टमी महोत्सव पर भगवान कृष्ण की झांकियां निकाली तथा भक्ति व देश प्रेम के कार्यक्रम आयोजन किए गए। इस दौरान विधायक चंद्र प्रकाश ने गौशाला को पांच लाख रूपये देने की घोषणा की। इसी प्रकार हरि सिंह जादू, अमर सिंह, सरपंच विनोद बेनीवाल, मेनपाल, छोटू राम भाखर रिटायर्ड तहसीलदार, संजीव, जयपाल, अजय बेनीवाल, रायसिंह बेनीवाल, सीताराम जाखड़, बलवंत आदि ने गौशाला में राशि दान स्वरूप दी। इस दौरान गौशाला कमेटी की तरफ से प्रधान मेनपाल ने सभी दानदाताओं व ग्रामीण व आसपास के आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भगवान कृष्ण के भजन पर अद्भुत मनमोहक झांकियां व देश भक्ति से संबंधित नाटक गीत ने सबका मनमोह लिया।

भट्टूकलां। महोत्सव का शुभारंभ करते अतिथिगण व राधाकृष्ण की वेशभूषा में बच्चे। फोटो :हरिभूमि

मां शीतला मंदिर में मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

रतिया। मां शीतला मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मां शीतला मंदिर कमेटी द्वारा मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया था। अनेक प्रकार की सजावट, लाइटिंग, झूला डेकोरेशन, दही हांडी, 56 भोग, माखन मिश्री भोग, पंचामृत भोग, विशेष शादी का भोग भगवान को लगाया गया। इस मौके पर मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सतीश शास्त्री ने बताया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व भर में यह त्यौहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। शास्त्रों में वर्णित है कि भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को भगवान विष्णु के आठवें अवतार के रूप में श्री कृष्णा के रूप में मथुरा की जेल में देवकी और वासुदेव के यहां भगवान का जन्म हुआ। इस दिन कई भक्त निर्जला उपवास रखते हैं व कई फलाहारी उपवास रखते हैं। रात्रि 12 बजे कान्हा जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। विधिवत रूप से पूजा करने के पश्चात भगवान को धनिया की पंजीरी, माखन मिश्री आटे का पुआ इत्यादि का भोग लगाया जाता है। भगवान को झूला झूलाने की भी परंपरा है। भक्तजन नाच गाकर मंगल कामनाएं करते हैं, ऐसा करने से उनकी हर मनोकामनाएं पूर्ण होती है। अर्ध रात्रि को भगवान को खीरे में लड्डू गोपाल जी का जन्म करवा कर भी इस त्यौहार को मनाया जाता है। मंदिर परिसर में भी अर्धरात्रि को जैसे ही भगवान का जन्मोत्सव हुआ तो सभी ने जय श्री कृष्णा जय श्री राधे के नारे लगाकर मंदिर का माहौल भक्तिमय बना दिया। आरती कर भक्त जनों में प्रसाद बांटा गया व केक काटकर और थाली बजाकर भगतजनों ने अपनी खुशी मनाई। यजमान के रूप में विजय गर्ग, लक्ष्मण बंसल, सचिन ललित ने परिवार सहित हाजिरी लगाई व मास्टर काशीराम, जॉनी गर्ग, सतीश शास्त्री, रामकरण शर्मा, नौनी शर्मा आदि उपस्थित थे।

केवल धन, पद, प्रतिष्ठता से लक्ष्य पाना कठिनः राजयोगी

सिरसा। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के आनंद सरोवर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारी मुख्यालय से राजयोगी बीके सूर्या, बीके गीता व बीके नितिन के अलावा आनंद सरोवर की संचालिका बीके बिंदु, बीडीपीओ नाथुसरी चौपटा स्टालिन सचदेवा, बीके पालाराम, बीके सुखपाल कौर, बीके रामनिवास के अलावा काफी संख्या में गणमान्यजन मौजूद थे। संस्थान की संचालिका बीके बिंदु ने अतिथियों का स्वागत किया। कृष्ण, राधा की ड्रेस पहने बच्चों ने श्रीकृष्ण की लीलाओं का चित्रण करते हुए अपनी प्रस्तुतियां दी। राजयोगिनी बीके गीता ने बताया कि आज के दिन हमें श्रीकृष्ण भगवान के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए जिन्होंने आत्माओं के कल्याण के लिए अवतार लिया। उन्होंने बताया कि हम भी उसी ईश्वर के अंश हैं, इसलिए हमें भी अपने भीतर एक विशेष प्रकार की भावना और विचार विकसित करने का प्रयास करना चाहिए।

आधुनिकता बन रही तनाव की कारणः बीके सूर्या

इस अवसर पर राजयोगी बीके सूर्या ने कहा कि आधुनिक जीवन की गति तनाव ग्रसित है। हमारी बुद्धि का विकास तो हुआ लेकिन मन की स्थिति कमजोर हो गई। इसलिए हमें वर्तमान जीवन की जटिलताओं और तनाव से बचना चाहिए और एक सरल व संतुष्ट जीवन जीने की ओर बढना चाहिए। इसके लिए हमें अपने जीवन में कुछ बदलाव करने चाहिए। वर्तमान की शिक्षा प्रणाली जानकारी देने पर आधारित है, यह हमें ज्ञान नहीं देती, इसलिए जरूरी है कि हमें वर्तमान शिक्षा प्रणाली के अलावा आध्यात्मिक संस्कार लेने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि ज्ञान और जानकारी में गंभीर अंतर है। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की सभी को बधाई दी। इस अवसर पर प्रस्तुति देने वाले बच्चों को उपहार देकर उनका हौसला बढ़ाया गया।

गोशाला में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया

ओढ़ा। बाबा संतोख दास गौशाला ओढ़ा में स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौशाला के नवनिर्मित मुख्य द्वार, राधा कृष्ण मंदिर, बाबा संतोख दास मंदिर व चारों तरफ बिजली की लडियों, फूलों की मालाओं व जगमगाती लाइटों से खूब सजावट की गई। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार पी. के. परवाना एंड पार्टी ढूँढ्यविाली ने राधा कृष्ण जी के मधुर भजनों पर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। भजनों के साथ साथ कलाकारों द्वारा राधा कृष्ण, शिव शंकर, श्री कृष्ण सुदामा सहित कई झांकियां पेश करके दर्शकों को अचंभित कर दिया। बीच में गांव के युवाओं ने मटकी फोड़ कार्यक्रम पेश करके ने सबका मन मोह लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गौशाला प्रबंधक कमेटी, सालासर भंडारा ट्रस्ट, हनुमत सेवा समिति व सालासर यात्रा संघ के सदस्यों ने भरपूर सहयोग किया। गौशाला कमेटी के उपप्रधान भूप सिंह मल्हान, समाजसेवी मंदर सिंह, गुरप्रीत चहल जिला परिषद सदस्य व कमेटी सदस्यों ने गौशाला में विशेष सहयोग व सेवा करने वालों को सम्मानित किया।

जैन सभा ने मनाई जन्माष्टमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

एसएस जैन सभा रानियां में रविवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। महासाध्वी स्वाती महाराज के सान्निध्य में यह आयोजन संपन्न हुआ| कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महावीर की वाणी से शुरू हुई जिसमें बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की, जहां बच्चों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा धारण कर मनमोहक झांकियों के माध्यम से श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर चित्रण किया। विशेष आकर्षण रहा मलेरकोटला से आए एक नन्हे बालक द्वारा मटकी फोडऩे की परंपरा, जिसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। महासाध्वी स्वाती महाराज ने श्रीकृष्ण जी के जीवन पर एक भावपूर्ण प्रवचन दिया। उन्होंने श्रीकृष्ण के जन्म की कथा विस्तारपूर्वक बताते हुए यह भी उल्लेख किया कि जैन धर्म में श्रीकृष्ण का विशेष महत्व है तथा वे भावी तीर्थंकर माने जाते हैं। सभा में प्रमुख रूप से प्रधान बहादुर चंद जैन, उपप्रधान नरेश जैन, सोमप्रकाश, जगरूप लाल जैन, चंद्र जैन, मुकेश जैन, गौरा जैन, सुमति जैन सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में श्री कृष्ण को भोग लगा हुआ महाप्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर महासाध्वी अर्चिता महाराज, राधिका महाराज, साध्वी गुणांशी व वाचना द्वारा मंगल भवन गीत गाए।

सिरसा। एसएस जैन सभा में श्रीकृष्ण जन्माष्टी पर प्रवचन करती साध्वियां।

विद्यार्थियों को नशे के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

■ पुलिस ने लाइब्रेरी में सेमिनार कर किया जागरूक

फतेहाबाद पुलिस द्वारा जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रभावी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज थाना स्तर पर गठित नशा मुक्ति टीम ने एसआई सुंदर के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत एमएम कॉलेज स्थित पब्लिक लाइब्रेरी में सेमिनार के रूप में की गई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और उनसे आह्वान किया गया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने आस-पास के लोगों को भी इस बुराई से बचाने के लिए प्रेरित करें। पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को नशा तस्करों की गतिविधियों की गोपनीय सूचना पुलिस को देने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

सेमिनार के बाद नशा मुक्ति टीम ने गांव भोडिय़ा खेड़ा में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया। इस सभा में ग्रामीणों एवं नरेगा मजदूरों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों और उससे परिवार व समाज पर पडऩे वाले नकारात्मक असर के बारे में जागरूक किया गया। ग्रामीणों को भरोसा दिलाया गया कि नशा पीड़ितों के पुनर्वास एवं उचित इलाज के लिए पुलिस एवं प्रशासन हमेशा तैयार है।

कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति टीम ने 2 नव-चिन्हित और 5 पूर्व चिन्हित नशा पीड़ितों को आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक उपचार उपलब्ध करवाया। साथ ही, संबंधित व्यक्तियों के डोजियर फार्म भरकर आगे की कार्रवाई हेतु दर्ज किए गए। पुलिस का यह प्रयास समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फतेहाबाद। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करते नशामुक्ति टीम से एसआई सुंदर मुसाफिर। फोटो :हरिभूमि

भक्तिमय माहौल में संपन्न हुई एक शाम कन्हैया के नाम' की भजन संध्या

डबवाली। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में मुल्तान सभा द्वारा आयोजित एक शाम कन्हैया के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल भगवान श्रीकृष्ण के प्रति गहरी श्रद्धा का प्रतीक था, बल्कि इसने श्रद्धालुओं में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना दिया। कॉलोनी रोड पर स्थित मेहता धर्मशाला के प्रांगण में आयोजित यह आध्यात्मिक कार्यक्रम देर रात तक भक्तों से खचाखच भरा रहा। कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु पूरी भक्ति और उत्साह के साथ भजनों पर खूब झूमे। भजन संध्या में प्रसिद्ध रजनी मोंगा ने अपनी मधुर और सुरीली आवाज से समां बांध दिया। उनके एक से बढ़कर एक मनमोहक भजनों ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रोतागण भक्ति के सागर में गोते लगाते हुए देर रात तक भजनों पर झूमते और तालियां बजाते रहे। पूरा माहौल जय श्री कृष्ण और राधे-राधे के जयकारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर पहुंचे डीएसपी कपिल अहलावत एवं युवा नेता अभिषेक चौटाला ने कहा कि मुल्तान सभा का यह प्रयास सराहनीय है, क्योंकि ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को न सिर्फ जीवित रखते हैं, बल्कि समाज में एकजुटता और सकारात्मकता का भी संचार करते हैं। सभा प्रधान आशीष मैहता ने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का आभार जताया।

रेंटल फ्रॉड से सावधान रहें : जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हाल ही में फतेहाबाद जिले में ऐसे कई प्रकरण प्रकाश में आए हैं, जिनमें साइबर अपराधियों ने किराए पर मकान, दुकान अथवा फ्लैट उपलब्ध करवाने के बहाने भोले-भाले नागरिकों को ठगी का शिकार बनाया है। इस बढ़ती साइबर ठगी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस द्वारा आमजन को सतर्क करने हेतु एक विशेष जन-जागरूकता एडवाइजरी जारी की गई है।पुलिस अधीक्षक जैन ने बताया कि ये अपराधी सोशल मीडिया मंचों, प्रॉपर्टी पोर्टल्स एवं व्हाट्सएप जैसे माध्यमों से लोगों से संपर्क साधते हैं। वे अत्यल्प किराया और भरपूर सुविधाओं का लालच देकर फर्जी सम्पत्तियों के चित्र, नकली पहचान पत्र और मनगढ़ंत दस्तावेज साझा करते हैं। इसके पश्चात वे पीड़ित से एडवांस अथवा टोकन मनी के रूप में राशि ऑनलाइन स्थानांतरित करने को कहते हैं। जैसे ही भुगतान हो जाता है, ठग तत्काल संपर्क विच्छेद कर लेते हैं और पीड़ित ठगे जाने का आभास होने पर हाथ मलता रह जाता है। एसपी ने नागरिकों को आग्रह करते हुए कहा कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति को बिना प्रत्यक्ष सत्यापन के कोई भी धनराशि अग्रिम रूप से न भेजें। यदि आप किसी भी प्रकार की सम्पत्ति किराये पर लेने के इच्छुक हैं, तो स्वयं स्थल पर जाकर उस संपत्ति का निरीक्षण करें तथा स्वामित्व से संबंधित दस्तावेजों और पहचान पत्रों का विधिवत परीक्षण करें। सभी प्रकार के आर्थिक व्यवहार लिखित अनुबंध और वैध पहचान प्रमाण के साथ ही करें। इसके अतिरिक्त, यदि आपको किसी लिंक, कॉल या दस्तावेज़ पर संदेह हो, तो उसकी सूचना पुलिस को दें।

राधे राधे बोल श्याम आएंगे, भजनों ने श्रद्धालुओं को किया मंत्रमुग्ध

फतेहाबाद। गुरुकृपा सेवा मंडल फतेहाबाद द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव अंजलि कॉलोनी, ग्रीन पार्क में धूमधाम से मनाया गया। मंदिर के सभी सदस्यों ने मिलकर ज्योति प्रचंड की। भजन गायक भारत टुटेजा ने गणेश वंदना, गुरु वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद बिंदिया मेहता ने अपने भजनों में बाबा श्याम जी महिमा का गुणगान किया। वंश मुटरेजा ने सुंदर सुंदर भजनों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उसके बाद टी सीरिज कलाकार भारत टुटेजा ने 'हमारे है गुरुदेव हमें किस बात की चिंता, राम नाम को लूट है, राम से बड़ा राम का नाम, आज है नंद उत्सव रे भाई, नंद के आनंद भयो, राधे राधे बोल श्याम आयेंगे, श्याम तेरे भरोसे मेरा परिवार है, इतनी कृपा सांवरे बनाये रखना' आदि भजनों के साथ कृष्ण जन्म की लीला का वर्णन किया। सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया और ठाकुर जी की बाल लीला का मंचन किया। इस मौके पर मंजू चोपड़ा, पूनम, शकुंतला ढींगरा, मंजू ,पूनम, ममता शर्मा, रजत मेहता, किरण नागपाल, मंगल लाड़ला, संतोष, दीपक मदान आदि मौजूद थे।

भ्रूणहत्या पर सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

आशा वर्कर्स यूनियन की ओर से सीआईटीयू सिरसा के यूनियन कार्यालय में रविवार को कन्या भ्रूण हत्या पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता जिला प्रधान दर्शना देवी ने की। सेमिनार में सीआईटीयू के राज्य उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा ने कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ प्रदेश में 1 सितंबर से लेकर 27 सितंबर तक व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से हरियाणा में लिंगानुपात लगातार नीचे गिरता जा रहा है। हरियाणा में लंबे समय से लिंगानुपात कम रहने की समस्या रही है। 2015 से 2019 के बीच लिंगानुपात में थोड़ा सुधार हुआ था। अब फिर हरियाणा का लिंगानुपात लगातार नीचे जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग लिंगानुपात में सुधार करने के लिए प्रयास कर रहा है। आशा वर्कर्स और आंगनवाड़ी वर्कर्स को गर्भवती महिलाओं के लिए सहेली भी नियुक्त किया है। विभाग लिंगानुपात के केवल तकनीकि कारणों ही पर फोकस कर रहा है जबकि लिंगानुपात में गिरावट का मसला तकनीकी नहीं है इसके विभिन्न सामाजिक आयाम हैं। लड़कियों की गैर बराबरी, उनके खिलाफ बढ़ती लगातार हिंसा, लड़कियों को कमतर दिखाने वाले रीति रिवाज के कारण महिलाएं लगातार पिछड़ रही है।

सिरसा। कन्या भ्रूण हत्या पर सेमिनार में भाग लेते आशा वर्कर्स।

कार्यक्रम | सांसद बराला बोले- सरकार की योजनाओं से हो रहा समाज में परिवर्तन

टोहाना में बाबा साहेब की अष्टधातु प्रतिमा का अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

जमालपुर रोड पर स्थित अंबेडकर चौक पर नगर परिषद टोहाना द्वारा निर्मित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक एवं प्रतिमा का रविवार को लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण कर जनता को समर्पित किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर की भव्य अष्टधातु प्रतिमा लगभग 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित 8 फीट ऊँची है और यह प्रतिमा संसद भवन की तर्ज पर तैयार किए गए भव्य प्लेटफार्म पर स्थापित की गई है, जिस पर करीब 50 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि बाबा साहेब केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि समाज में शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय की अलख जगाने वाले महानायक थे। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। यह प्रतिमा नागरिकों को उनके विचारों और आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देगी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने जिस समाज का सपना देखा था, उसे साकार करने के लिए केंद्र और हरियाणा सरकार अनेक योजनाएं चला रही हैं। सांसद ने कहा कि केंद्र एवं हरियाणा सरकार, बाबा साहेब के विचारों और आदर्शों पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार द्वारा गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, स्टार्टअप इंडिया मिशन तथा स्किल इंडिया मिशन जैसी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनसे लाखों परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, पेंशन योजनाओं, किसान सम्मान निधि, मजदूर कल्याण योजनाओं, और शिक्षा सुधार कार्यक्रमों के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य कर रही है। इसके अलावा श्री गुरु रविदास भवन, टोहाना में आयोजित 9वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सांसद ने कहा कि संत गुरु रविदास जी ने समाज को समानता, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। कार्यक्रम में नगर परिषद टोहाना के चेयरमैन नरेश बंसल, रमन मडिया, जिले सिंह बराला, ईओ संदीप सोलंकी, नीरू सैनी व अन्य मौजूद रहे।

टोहाना। डॉ. भीमराव अंबेडकर की अष्टधातु प्रतिमा का अनावरण करते सांसद सुभाष बराला। फोटो :हरिभूमि